तालिबान की गिरफ्त में आए भारत के दोस्त इस्माइल खान

घुसपैठ के बाद तालिबान ने इस्माइल खान के किले को कर दिया ध्वस्त

कब्जा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हेरात। तालिबान आतंकियों ने अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत की राजधानी लश्कर गाह पर कब्जा करके पिछले कई दिनों से जोरदार टक्कर दे रहे स्थानीय वॉर लॉर्ड इस्ध्माइल खान को बंदी बना लिया है। बताया जा रहा है कि हेरात के बूढ़े शेर इस्माइल खान के साथ–साथ अफगानिस्तान के उपगृहमंत्री जनरल रहमान और कई आला पुलिस अधिकारियों को पकड़ा गया है। बताया जा रहा है कि अफगान सेना में घुसपैठ के बाद तालिबान ने भारत के दोस्त इस्माइल खान के किले को ध्वस्त कर दिया।

अफगानिस्तान के एक अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है कि तालिबान ने दक्षिण हेलमंड प्रांत की राजधानी लश्करगाह पर कब्जा कर लिया है। इस्माइल खान पिछले कई दिनों से चट्टान की तरह से तालिबान के खिलाफ जंग लड़ रहे थे लेकिन अंततः उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा।

बताया जा रहा है कि इस्माइल खान, पुलिस और स्थानीय सेना के प्रमुख हेलिकॉप्टर से हेरात से निकलना चाहते थे लेकिन अफगान सैनिकों ने ही उन्हें जाने नहीं दिया। अब ये सभी तालिबान की गिरफ्त में आ गए हैं।

तालिबान आतंकियों के साथ तस्वीर भी सोशल मीडिया में वायरलः यही नहीं इस्माइल खान की तालिबान आतंकियों के साथ एक तस्वीर भी सोशल मीडिया में वायरल हो गई है। इस बीच तालिबान ने कंधार समेत कई और प्रांतीय राजधानियों पर कब्जा कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि कंधार पर तालिबान ने बृहस्पतिवार रात को कब्जा कर लिया और सरकारी अधिकारी तथा उनके परिजन हवाई मार्ग से भागने के लिए किसी तरह हवाई अड्डे पहुंच गए। इससे पहले, गुरुवार को तालिबान ने अफगानिस्तान के तीसरे सबसे बड़े शहर हेरात पर कब्जा कर लिया था। तालिबान के लड़ाके ऐतिहासिक शहर में ग्रेट मस्जिद से आगे बढ़ गए और सरकारी इमारतों पर कब्जा कर लिया।

गजनी पर तालिबान के कब्जे से अफगानिस्तान की राजधानी को देश के दक्षिण प्रांतों से जोड़ने वाला अहम राजमार्ग कट गया। काबुल अभी सीधे खतरे में नहीं है लेकिन तालिबान की देश में पकड़ मजबूत होती जा रही है और दो तिहाई से अधिक क्षेत्र पर वह काबिज हो गया है। उग्रवादी संगठन अन्य प्रांतीय राजधानियों में सरकारी बलों पर दबाव बना रहा है। बदतर होते सुरक्षा हालात को देखते हुए अमेरिका काबुल में अमेरिकी दूतावास से कर्मियों को निकालने के लिए 3,000 सैनिकों को भेज रहा है। वहीं, ब्रिटेन भी देश से अपने नागरिकों को निकलने में मदद देने के लिए कुछ समय के लिए करीब 600 सैनिकों की वहां पर तैनाती करेगा।

तालिबान के खिलाफ लड़ी थी जंग, भारत के अच्छे दोस्तः इस्माइल खान एक पूर्व मुजाहिद हैं जिन्होंने 1970 के दशक में हाथ में असॉल्ट राइफल उठा ली थी। इसके बाद उन्होंने तालिबान के खिलाफ जंग लड़ी थी। अब अगर वह फिर से तालिबान की आंधी को रोकने में सफल होते तो वह अफगानिस्तान में अमर हो जाते लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस्माइल खान ताजिक मूल के हैं और काफी प्रभावी तरीके से तालिबानियों का खात्मा कर रहे थे।

न्यूज डायरी

चीन बदल रहा पाला, तालिबान राज को मान्यता देने को तैयार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में तालिबान के खूनी खेल की कड़ी निंदा हो रही है लेकिन चीनी ड्रैगन और उसका आयरन ब्रदर पाकिस्तान तालिबानी शासन को मान्यता देने के लिए तैयार हैं। चीन के इस दांव से अमेरिका के बाइडन प्रशासन को तगड़ा झटका लग सकता है जो तालिबानी हिंसा के जवाब में उसके खिलाफ बेहद कड़े प्रतिबंध लगाने की योजना बना रहा है। हालांकि चीन सार्वजनिक रूप से तालिबान पर शांति समझौते के लिए दबाव बनाए हुए है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर तालिबान आतंकी अफगानिस्तान पर कब्जा करने में सफल होते हैं तो चीन उन्हें मान्यता देने को तैयार है। रिपोर्ट में अमेरिकी खुफिया सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि चीन गनी सरकार और तालिबान के बीच समझौता चाहता है। लेकिन चीन के नए सैन्य और खुफिया आकलन के बाद कम्युनिस्ट पार्टी के नेता अब अफगानिस्तान की जमीनी हकीकत को देखते हुए तालिबान के साथ औपचारिक रिश्ते शुरू करने को तैयार हो गए हैं।

अमेरिका में कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज को मंजूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज लगाने को मंजूरी मिल गई है। अमेरिका में कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को वैक्सीन की तीसरी यानि बूस्टर डोज लगाई जाएगी। यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने मॉडर्ना और फाइजर वैक्सीन की तीसरी डोज के आपातकालीन इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। इन वैक्सीन की तीसरी डोज उन लोगों को लगाई जाएगी जिनका प्रतिरक्षा तंत्र कमजोर है। कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट के बढ़ते खतरे के मद्देनजर इजरायल और जर्मनी जैसे कुछ अन्य देशों ने लोगों को वैक्सीन की तीसरी डोज लगाने की योजना बनाई और फिर वैक्सीन की तीसरी डोज लगाना शुरू कर दिया है। इसका मकसद आने वाले समय में कोरोना महामारी की एक और बड़ी आपादा से बचना है।

खौफनाक चाल, चीन बना रहा तीसरा मिसाइल अड्डा, बढ़ी टेंशन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। पूरी दुनिया पर बादशाहत कायम करने की मंशा रखने वाले चीनी ड्रैगन ने अपनी किलर मिसाइलों को छिपाने के लिए तीसरा विशाल अड्डा बनाना शुरू कर दिया है। सैटलाइट तस्वीरों से पता चला है कि यह तीसरा मिसाइल अड्डा जिलनताई में बनाया जा रहा है जो ताइवान के पास है। बताया जा रहा है कि इस नए ठिकाने पर चीन की 100 नई DF–41 अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलों को रखा जा सकेगा। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने सैटलाइट तस्ध्वीरों के आधार पर चीन के इस नए ठिकाने के निर्माण का पता लगाया है। बताया जा रहा है कि चीन का यह तीसरा ठिकाना भी उतना ही बड़ा है जितना कि दो अन्य ठिकाने हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के अधिकारी इस पूरे रणनीतिक घटनाक्रम से वाकिफ हैं।

सिसली में 48.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा तापमान, टूटा पुराना रिकार्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रोम। इटली के अधिकारियों ने जानकारी दी कि यहां सिसली के आइलैंड पर 48.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया जो अब तक का सबसे अधिक तापमान है। सीएनएन ने बताया कि इटली ने इस बात की पुष्टि की है लेकिन आधिकारिक तौर पर विश्व मौसम संगठन की ओर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि इटली और ग्रीस के कई हिस्सों में लगी आग के कारण हालात खराब हैं, कुछ गांव तो खत्म ही हो गए हैं। मौसम विज्ञानी मैनुअल माजोलेनी ने कहा कि यदि यह आंकड़ा सही माना जाता है, तो यह 10 जुलाई, 1977 को ग्रीस के एथेंस में मापे गए 48 डिग्री के पिछले रिकार्ड को तोड़ देगा। सिसली का यह तापमान यूरोप में दर्ज किया गया अब तक का उच्चतम तापमान हो सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह जलवायु संकट है जो गर्म हवाओं और आग जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहा है।

आतंकियों की भूमि बनकर रह जाएगा अफगानिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन ने अफगानिस्तान के ताजा हालातों पर चिंता जताई है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ने कहा है कि वो अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी की आशंका से काफी चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ तो एक असफल राज्य के तौर पर अफगानिस्तान अलकायदा जैसे आतंकवादियों के लिए प्रजनन स्थल बन सकता है। रक्षा मंत्री बेन वैलेस ने स्काई से बात करते हुए इस बात की आशंका जताई कि वहां पर अलकायदा की भी वापसी हो सकती है।

वैलेस ने ये भी कहा कि पश्चिमी देश वहां के हालातों को समझ भी रहे हैं और जान भी रहे हैं। लेकिन वो तुरंत कुछ कर पाने की स्थिति में भी नहीं है। इतना जरूरी है कि वो वहां के हालातों को मैनेज जरूर कर सकते है। उन्होंने ये भी कहा कि तालिबान ने अफगानिस्तान के बड़े शहरों को अपने कब्जे में ले लिया है।

देश के दूसरे बड़े शहर कंधार पर उसका कब्जा हो गया है और लश्कारगाह भी अब उनके हाथों में चला गया है। तालिबान जिस तेजी के साथ देश में आगे की तरफ बढ़ रहा है वो वास्तव में हैरान करने वाली है। इसने अफगानिस्तान की सरकार और पश्चिमी देशों को भी हैरानी में डाल दिया है।

जमीन पर कैसे फैले थे प्राचीन पौधे?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। मीठे पानी के शैवालों से विकसित होकर 50 करोड़ से भी ज्यादा वर्ष पहले पौधे जब पहली बार भूमि पर दिखे थे तो उन्होंने समूची धरती का रंग–रूप पूरी तरह बदल दिया। हवा से कार्बन डायऑक्साइड लेकर उन्होंने धरती को शीतल किया और चट्टानी सतहों को नष्ट कर मिट्टी का निर्माण किया जो अब पूरी भूमि के ज्यादातर हिस्से को ढक कर रखती है। ग्रह के वायुमंडल और जमीनी सतह में हुए इन परिवर्तनों ने जीवमंडल के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जो हम जानते हैं। भूमि के पौधे पृथ्वी के बायोमास का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। शुरुआती पौधे छोटे और काई जैसे थे, और उन्हें जमीन पर जीवित रहने के लिए दो बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ारू सूखने से बचना, और सूर्य की कठोर पराबैंगनी प्रकाश से बचना।

तालिबान के कब्जे वाले इलाके से 3 भारतीय इंजीनियरों को किया गया एयरलिफ्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान में तीन भारतीय इंजीनियरों को तालिबान के नियंत्रण वाले इलाके से एयरलिफ्ट किया गया है। काबुल में भारत के दूतावास ने इसकी जानकारी दी है। तालिबान ने अफगानिस्तान के 10 से अधिक प्रांतीय राजधानियों पर कब्जा कर लिया है। आतंकवादी समूह के हाथों में पड़ने वाला सबसे नया शहर कंधार है, जो अफगानिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है।

काबुल में भारतीय दूतावास की ओर से जारी एक एडवाइजरी में दूतावास ने कहा कि पहले की एडवाइजरी में भारतीय नागरिकों के लिए बताई गई सावधानियां

भारतीय नागरिकों के लिए जारी की गई एडवाइजरी

और सुरक्षा उपाय मान्य हैं। एडवाइजरी में कहा गया है कि अफगानिस्तान में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों से एक बार फिर से अनुरोध किए गए उपायों का सख्ती से पालन करने का अनुरोध किया जाता है। इसमें कहा गया है कि काबुल में भारतीय दूतावास एक बार फिर सभी भारतीय नागरिकों को समय–समय पर प्रदान की जाने वाली सुरक्षा सलाह में बताए गए कदमों का पूरी तरह से पालन करने की बात कहता है। अफगानिस्तान में भारतीय नागरिकों के लिए जारी की गई यह चौथी एडवाइजरी है। इससे पहले 29 जून, 24 जुलाई और 10 अगस्त को तीन एडवाइजरी जारी की जा चुकी है। नवीनतम एडवाइजरी में आगे कहा गया है कि ग्राउंड रिपोर्टिंग के लिए अफगानिस्तान पहुंचने वाले भारतीय मीडिया के सदस्यों को भी सावधान रहने की सलाह दी जाती है। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत ने भारतीय नागरिकों को वाणिज्यिक माध्यमों से अफगानिस्तान छोड़ने के लिए एक सलाह जारी की थी और इसके अलावा कोई और आधिकारिक तरीका नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत घटनाक्रम की बारीकी से निगरानी कर रहा है और वहां सुरक्षा स्थितियों के बिगड़ने से चिंतित है।

जगहंसाई के बाद दी सफाई, कहा– बाइडन के फोन का नहीं है इंतजार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोइद यूसुफ के हास्यास्पद बयान पर जहहंसाई के बाद प्रधानमंत्री इमरान खान ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के फोन कॉल को लेकर सफाई दी है। इमरान खान ने कहा कि उन्हें बाइडन के फोन का इंतजार नहीं है। पाकिस्तानी पीएम की यह टिप्पणी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ के यह कहने के कुछ दिनों बाद आई है कि यदि बाइडन उनके नेतृत्व की अनदेखी करते रहे तो पाकिस्तान के पास अन्य विकल्प हैं। इमरान खान ने कहा कि अफगानिस्तान सरकार इस्लामाबाद को लेकर बेहद आलोचनात्मक हो रही है, उसे लगता है कि पाकिस्तान के पास तालिबान को मनाने के लिए कुछ जादुई शक्तियां हैं। डॉन न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि वास्तव में तालिबान को राजी करना ज्यादा मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा, 'अब, तालिबान पर हमारा प्रभाव बहुत कम है क्योंकि उन्हें लगता है कि उन्होंने अमेरिकियों के खिलाफ जीत हासिल की है।'